अध्याय 3

लेवियों को सम्बोधित करना

अगर देखा जाए तो पुरुष लेवियों की गिनती अन्त में करनी होती थी फिर भी परमेश्वर ने आज्ञा दी कि उन्हें गणना से बाहर रखा जाए जिसका वर्णन गिनती 1 में किया गया है। इस अध्याय में समय आ गया है कि लेवियों की गिनती की जाए। इस गणना का एक अनूठा उद्देश्य था। लेवियों को इसलिए सूचीबद्ध किया गया कि राष्ट्र में उनकी संख्या का मिलान पहलौठों की कुल संख्या के साथ किया जा सके। इस प्रकार की गणना इन लेवीय सेवकों की भूमिका के बारे में अन्य महत्वपूर्ण विवरण देने के लिए स्वीकृति देती है।

याजकीय परिवार (3:1-4)

[1]जिस समय यहोवा ने सीनै पर्वत के पास मूसा से बातें कीं उस समय हारून और मूसा की यह वंशावली थी। [2]हारून के पुत्रों के नाम ये हैं: नादाब जो उसका जेठा था, और अबीहू, एलीआज़ार और ईतामार; [3]हारून के पुत्र, जो अभिषिक्त याजक थे, और उनका संस्कार याजक का काम करने के लिये हुआ था उनके नाम ये ही हैं। [4]नादाब और अबीहू जिस समय सीनै के जंगल में यहोवा के सम्मुख ऊपरी आग ले गए उसी समय यहोवा के सामने मर गए थे; और वे पुत्रहीन भी थे। एलीआज़ार और ईतामार अपने पिता हारून के सामने याजक का काम करते रहे।

आयत 1. यह अध्याय लेवियों के सम्पूर्ण गोत्र और उनके काम के बारे में है और साथ ही यह **हारून और मूसा** के याजकीय परिवार के साथ आरम्भ होता है क्योंकि लेवी निवासस्थान की सेवकाई में याजकों का हाथ बँटाते थे। जब कभी मूसा और उसके भाई का नाम आया तब सामान्यता मूसा का नाम पहले लिखा गया। हारून का नाम यहाँ पर सम्भावित रूप से पहले इसलिए आया है कि वह मूल रूप से महायाजक था और यहाँ पर जो सन्दर्भ दिया गया है वह याजकीय कार्यालय से सम्बन्ध बताता है। मूसा का अभिषेक इस प्रकार नहीं किया गया जैसे हारून का किया गया परन्तु परमेश्वर ने उसे याजकीय शैली में इस्तेमाल किया। परमेश्वर के वक्ता के रूप में उसने निवासस्थान में प्रवेश किया जिससे परमेश्वर से बातचीत कर सके। अनेक बार उसने परमेश्वर और लोगों के मध्य एक मध्यस्थ के रूप में कार्य किया।

हारून और मूसा की वंशावली उस सन्दर्भ में दी गई है **जिस समय यहोवा ने**

सीनै पर्वत के पास मूसा से बातें कीं। जिस प्रकार यह पद प्रयोग में लिया गया है, **उस समय ... की यह वंशावली थी** (אֵלֶּה תּוֹלְדוֹת, *'इल्लेह थोलेडोथ)*, यह ठीक उसी समान है जैसा उत्पत्ति में दिए जाने वाले विवरण में दस बार विभाजक बिन्दु के रूप में देखने को मिलता है।[1] इस प्रकार का दोहराव संकेत देता है कि सम्पूर्ण पंचग्रन्थ को एक संयुक्त विषय वस्तु के साथ एक कार्य के रुप में देखा जाए। **वंशावली** पद स्पष्टता के लिए अनुवादकों के द्वारा शामिल की गई है।

आयतें 2-4. जिस प्रकार यह गणना आगे बढ़ती है इसी के साथ **हारून के** चार **पुत्र**, **जो** सभी **अभिषिक्त याजक थे**, उन्हें भी इसमें शामिल किया गया है। बड़े दो पुत्र जिनमें **नादाब** जेठा था और दूसरा **अबीहू** जिस समय सीनै के जंगल में **यहोवा के सम्मुख ऊपरी आग ले गए उसी समय यहोवा के सामने मर गए थे** (देखें लैव्य. 10)। ये दोनों पुरुष **पुत्रहीन भी थे**। अब दो छोटे पुत्र **एलीआज़ार और ईतामार** रह गए जो अपने **पिता हारून के सामने याजक का काम करते रहे**।

लेवियों की भूमिका (3:5-10)

[5]फिर यहोवा ने मूसा से कहा, [6]"लेवी गोत्रवालों को समीप ले आकर हारून याजक के सामने खड़ा कर कि वे उसकी सेवा टहल करें। [7]जो कुछ उसकी ओर से और सारी मण्डली की ओर से उन्हें सौंपा जाए उसकी रक्षा वे मिलापवाले तम्बू के सामने करें, इस प्रकार वे तम्बू की सेवा करें; [8]वे मिलापवाले तम्बू के कुल सामान की और इस्राएलियों की सौंपी हुई वस्तुओं की भी रक्षा करें, इस प्रकार वे तम्बू की सेवा करें। [9]और तू लेवियों को हारून और उसके पुत्रों को सौंप दे; और वे इस्राएलियों की ओर से हारून को सम्पूर्ण रीति से अर्पित किए हुए हों। [10]और हारून और उसके पुत्रों को याजक के पद पर नियुक्त कर, और वे अपने याजक पद को सम्भालें, और यदि अन्य मनुष्य समीप आए, तो वह मार डाला जाए।"

आयतें 5-8. 3:5-10 आयतें लेवियों की भूमिका का वर्णन करती हैं। यहोवा ने मूसा से कहा, **"लेवी गोत्रवालों को समीप ले आकर हारून याजक के सामने खड़ा कर कि वे उसकी सेवा टहल करें।"** जिस समय लेवी लोग याजकों की **सेवा टहल करते** थे तब उनके लिए यह आवश्यक था कि जो कुछ **उन्हें** [हारून] **की ओर से और सारी मण्डली की ओर से सौंपा जाए उसकी रक्षा** वे **मिलापवाले तम्बू** के सामने करें, इस प्रकार वे तम्बू की सेवा करें। साथ ही उनके लिए यह आवश्यक था कि वे **मिलापवाले तम्बू के कुल सामान** की भी रक्षा करें।

आयतें 9, 10. हारून और उसके पुत्रों को अपना याजक पद सम्भालना था और **लेवियों** के लिए आवश्यक था कि वे **हारून और उसके पुत्रों** के प्रति **इस्राएलियों** की ओर से **सम्पूर्ण रीति से अर्पित किए हुए** हों। मात्र इन लेवियों को ही स्वीकृति प्राप्त थी कि जब इस्राएली जंगल में यात्रा करें तब वे निवासस्थान को एक स्थान से दूसरे स्थान तक लेकर जाएँ। साथ ही ऊपरी तौर पर वे सुरक्षाकर्मी के रूप में भी सेवा करते थे जिससे किसी अनाधिकृत व्यक्ति को निवासस्थान की सीमा से

दूर रख सकें।

यह अनुच्छेद परमेश्वर के कथन के साथ समाप्त होता है कि हारून और उसके पुत्रों को याजकों के रूप में नियुक्त किया जाना था जिससे उन्हें यह अधिकार प्राप्त हुआ कि वे निवासस्थान में सेवकाई करें। इसके विपरीत परमेश्वर ने कहा कि **यदि अन्य मनुष्य समीप आए, तो वह मार डाला जाए**। यहाँ पर "अन्य मनुष्य" (זָר, *ज़र*), जैसा 1:51 में देखने को मिलता है, इसका अर्थ है याजकों को छोड़ कोई " परदेशी" (KJV) अथवा "अन्य कोई व्यक्ति" (NIV)। NRSV इसका अनुवाद "कोई बाहरी व्यक्ति" के रूप में करती है। याजकों को छोड़ और किसी व्यक्ति को निवासस्थान (स्वयं तम्बू) में प्रवेश करने की स्वीकृति नहीं थी। इस नियम को तोड़ने वाले व्यक्ति को मृत्युदण्ड मिलता था।

लेवियों की जनगणना (3:11-39)

**11फिर यहोवा ने मूसा से कहा, 12"सुन, इस्राएली स्त्रियों के सब पहिलौठों की
सन्ती मैं इस्राएलियों में से लेवियों को ले लेता हूँ; इसलिये लेवीय मेरे ही हों। 13सब
पहिलौठे मेरे हैं; क्योंकि जिस दिन मैं ने मिस्र देश में के सब पहिलौठों को मारा,
उसी दिन मैं ने, क्या मनुष्य क्या पशु, इस्राएलियों के सब पहिलौठों को अपने लिये
पवित्र ठहराया; इसलिये वे मेरे ही ठहरेंगे; मैं यहोवा हूँ।"**

**14फिर यहोवा ने सीनै के जंगल में मूसा से कहा, 15"लेवियों में से जितने पुरुष
एक महीने या उससे अधिक आयु के हों उनको उनके पितरों के घरानों और उनके
कुलों के अनुसार गिन ले।" 16यह आज्ञा पाकर मूसा ने यहोवा के कहे के अनुसार
उनको गिन लिया। 17लेवी के पुत्रों के नाम ये हैं, अर्थात् गेर्शोन, कहात, और मरारी।
18और गेर्शोन के पुत्र जिनसे उसके कुल चले उनके नाम ये हैं, अर्थात् लिब्नी और
शिमी। 19कहात के पुत्र जिनसे उसके कुल चले ये हैं, अर्थात् अम्राम, यिसहार,
हेब्रोन, और उज्जीएल। 20और मरारी के पुत्र जिनसे उसके कुल चले ये हैं, अर्थात्
महली और मूशी। ये लेवियों के कुल अपने पितरों के घरानों के अनुसार हैं।**

**21गेर्शोन से लिब्नियों और शिमियों के कुल चले; गेर्शोनवंशियों के कुल ये ही
हैं। 22इनमें से जितने पुरुषों की आयु एक महीने की या उससे अधिक थी, उन सभों
की गिनती साढ़े सात हज़ार थी। 23गेर्शोनवाले कुल को निवास के पीछे पश्चिम की
ओर अपने डेरे डालना था; 24और गेर्शोनियों के मूलपुरुष के घराने का प्रधान लाएल
का पुत्र एल्यासाप था। 25और मिलापवाले तम्बू की जो वस्तुएँ गेर्शोनवंशियों को
सौंपी गई, वे ये हैं, अर्थात् निवास और तम्बू, और उसका आवरण, और मिलापवाले
तम्बू के द्वार का परदा, 26और जो आँगन निवास और वेदी के चारों ओर है उसके
परदे, और उसके द्वार का परदा, और सब डोरियाँ जो उसमें काम आती हैं।**

**27फिर कहात से अम्रामियों, यिसहारियों, हेब्रोनियों, और उज्जीएलियों के कुल
चले; कहातियों के कुल ये ही हैं। 28उनमें से जितने पुरुषों की आयु एक महीने की
या उससे अधिक थी उनकी गिनती आठ हज़ार छ: सौ थी। उन पर पवित्रस्थान की
रक्षा का उत्तरदायित्व था। 29कहातियों के कुल को निवास के उस ओर अपने डेरे**

डालना था जो दक्षिण की ओर है; 30और कहातवाले कुलों के मूलपुरुष के घराने का प्रधान उज्जीएल का पुत्र एलीसापान था। 31और जो वस्तुएँ उनको सौंपी गई वे सन्दूक, मेज, दीवट, वेदियाँ, और पवित्रस्थान का वह सामान जिससे सेवा टहल होती है, और परदा; अर्थात् पवित्रस्थान में काम में आनेवाला सारा सामान था। 32और लेवियों के प्रधानों का प्रधान हारून याजक का पुत्र एलीआज़ार हो, और जो लोग पवित्रस्थान की सौंपी हुई वस्तुओं की रक्षा करेंगे उन पर वही मुखिया ठहरे।

33फिर मरारी से महलियों और मूशियों के कुल चले; मरारी के कुल ये ही हैं। 34इनमें से जितने पुरुषों की आयु एक महीने की या उससे अधिक थी उन सभों की गिनती छः हज़ार दो सौ थी। 35और मरारी के कुलों के मूलपुरुष के घराने का प्रधान अबीहैल का पुत्र सूरीएल था; इन लोगों को निवास के उत्तर की ओर अपने डेरे खड़े करना था। 36और जो वस्तुएँ मरारीवंशियों को सौंपी गई कि वे उनकी रक्षा करें, वे निवास के तख्ते, बेंड़े, खम्भे, कुर्सियाँ, और सारा सामान; निदान जो कुछ उसके लगाने में काम आए; 37और चारों ओर के आँगन के खम्भे, और उनकी कुर्सियाँ, खूँटे और डोरियाँ थीं।

38जिन्हें मिलापवाले तम्बू के सामने, अर्थात् निवास के सामने पूरब की ओर जहाँ से सूर्योदय होता है, अपने डेरे डालना था, वे मूसा और हारून और उसके पुत्रों के डेरे हों, और पवित्रस्थान की रखवाली इस्राएलियों के बदले वे ही किया करें, और दूसरा जो कोई उसके समीप आए वह मार डाला जाए। 39यहोवा की इस आज्ञा को पाकर एक महीने की या उससे अधिक आयुवाले जितने लेवीय पुरुषों को मूसा और हारून ने उनके कुलों के अनुसार गिना, वे सब के सब बाईस हज़ार थे।

यहाँ पर पुरुष लेवियों की गणना कुछ अधिक विवरण के साथ दी गई है। याजकीय परिवार को यह भी बताया गया कि उनसे किस प्रकार की अपेक्षाएँ हैं और उन्हें सूचित किया गया कि निवासस्थान के चारों ओर कहाँ पर निवास करना है।

आयतें 11-13. ये आयतें लेवियों की गणना का कारण बताती हैं। परमेश्वर ने कहा, **"इस्राएली स्त्रियों के सब पहिलौठों की सन्ती मैं इस्राएलियों में से लेवियों को ले लेता हूँ।"** अन्तिम महामारी (निर्गमन 11-13) में **मिस्र देश में के सब पहिलौठों को मारने** के दिन इस्राएलियों का जीवन बचाने के कारण परमेश्वर ने सब पहलौठों पर अर्थात **इस्राएली स्त्रियों के सब पहिलौठों** पर इस प्रकार का स्वामित्व लिया। इस कारण एक दिव्य दावा किया गया: **"क्या मनुष्य क्या पशु, इस्राएलियों के सब पहिलौठों को अपने लिये पवित्र ठहराया; इसलिये वे मेरे ही ठहरेंगे; मैं यहोवा हूँ।"** निर्णायक व्यवस्था में प्रत्येक पहलौठे का पवित्रीकरण अन्त में लेवियों में स्थानान्तरित कर दिया जाएगा जैसा इस कथन में प्रकट किया गया है **"लेवीय मेरे ही हों।"** परमेश्वर के समय में लेवी पहलौठे पुत्रों का स्थान ले लेते थे। इस अध्याय (3:46, 47) में बाद में दी गई विधि के अनुसार प्रत्येक अतिरिक्त पहलौठे पुत्र के भुगतान के लिए पाँच शेकेल अथवा बीस गेरा चाँदी की आवश्यकता

होती थी।

आयतें 14-16. जब **यहोवा ने सीनै के जंगल में मूसा से कहा** और उसने उसे आज्ञा दी कि वह **लेवियों में से जितने पुरुष** हों उनको **गिन ले**। यह गणना इसलिए थी कि लेवियों में से **जितने पुरुष एक महीने या उससे अधिक आयु के हों उनको उनके पितरों के घरानों और उनके कुलों के अनुसार गिना** जा सके। मूसा ने प्रसन्नता के साथ परमेश्वर की आज्ञा मानी: **यह आज्ञा पाकर मूसा ने यहोवा के कहे के अनुसार उनको गिन लिया।**

जिनकी गिनती की गई उनकी आरम्भ की आयु उन लोगों से भिन्न थी जिनकी गिनती जनगणना में की गई थी। पूर्व में बीस या उससे अधिक वर्ष के पुरुषों की गिनती की गई थी (1:2, 3)। लेवियों में से जितने पुरुष "एक महीने या उससे अधिक आयु" के हों उनकी गिनती की जानी थी।

आयतें 17-20. लेवियों के कुल को उनके परिवार के समूह में ही सूचीबद्ध किया जाना था। परिशिष्ट (*लेवी का परिवार*, पृष्ठ 157)[2] में उपलब्ध रेखाचित्र **लेवियों के परिवारों** का एक दृश्य प्रस्तुत करता है। **लेवी** के तीन **पुत्र** थे जिनके नाम ये हैं, अर्थात् **गेर्शोन, कहात,** और **मरारी**। हारून का परिवार जो अम्राम से होते हुए कहात के कुल से आता था, याजक बन गया। कहात के कुल के अन्य लोगों के साथ गेर्शोन और मरारी के कुल के लोग लेवी बन गए जो याजक की सेवकाई करते थे। इस्राएल के द्वारा मिस्र में बिताए गए चार सौ वर्ष के समय को देखते हुए उस समय के आरम्भ में लेवी का याकूब के शेष परिवार के साथ मिस्र में चले जाना और इस्राएल के मिस्र छोड़ने के बाद मूसा (जो कहात का पोता था) के द्वारा चालीस वर्ष और जीने से ऐसा लगता है कि 3:17-20 में दी गई वंशावली में निश्चित रूप से एक या दो पीढ़ियाँ छूट गई होंगी।[3]

आयतें 21-39. इस सूची में गिनती का परिणाम, डेरों के स्थान, सामान्य ज़िम्मेदारियाँ और लेवियों के तीन परिवारों के अगुवों को शामिल किया गया है।

सबसे पहले डेरों के स्थान के बारे में वर्णन किया गया (देखें *परिशिष्ट: मिलापवाला तम्बू के चारों ओर इस्राएल का छावनी किए रहना*, पृष्ठ 158)। **गेर्शोनवंशियों के परिवारों में लिब्नियों और शिमियों** को शामिल किया गया। उन्हें **निवासस्थान के पीछे पश्चिम की ओर अपने डेरे डालना था** (3:23); **कहातियों के कुल को निवासस्थान के उस ओर अपने डेरे डालना था जो दक्षिण की ओर है** (3:29); और मरारी के कुलों के साथ **महली और मूशी के कुलों को शामिल** करते हुए यह निर्देश दिया गया कि **वे निवासस्थान के उत्तर की ओर अपने डेरे खड़े करें** (3:35)। **मूसा और हारून और उसके पुत्र** अथवा अन्य शब्दों में याजकों को **मिलापवाले तम्बू के सामने, अर्थात् निवास के सामने पूरब की ओर जहाँ से सूर्योदय होता है, अपने डेरे डालना था** (3:38)।

सामान्य ज़िम्मेदारियाँ के बारे में कुछ अधिकार विस्तार से बताया गया। गेर्शोनवंशियों को यह कार्य सौंपा गया कि वे **निवास और तम्बू, और उसका आवरण, और मिलापवाले तम्बू के द्वार का परदा, और जो आँगन निवास और वेदी के चारों ओर है उसके परदे, और उसके द्वार का परदा, और सब डोरियाँ जो उसमें**

काम आती हैं ... उनकी देखभाल करे (3:25, 26)। कहातवाले कुलों को जो सौंपा गया वह **सन्दूक, मेज, दीवट, वेदियाँ, और पवित्रस्थान का वह सामान जिससे सेवा टहल होती है, और परदा था** (3:31)। **जो वस्तुएँ मरारीवंशी, महली और मूशी को सौंपी गई वे निवास के तख्ते, बेंड़े, खम्भे, कुर्सियाँ, और सारा सामान ... और चारों ओर के आँगन के खम्भे, और उनकी कुर्सियाँ, खूँटे और डोरियाँ थीं** (3:36, 37)। **पवित्रस्थान की** और अधिक गम्भीर **ज़िम्मेदारियाँ** प्रत्येक लेवीय कुलों को सौंपी गईं जिनका वर्णन 4:4-33 में दिया गया है।

प्रत्येक कुल के लिए अगुवे नियुक्त किए गए और उन्हें विशेष रूप से अलग किया गया। गेर्शोनियों के मूलपुरुष के घराने का प्रधान **लाएल का पुत्र एल्यासाप** था (3:24); कहातवाले कुलों के मूलपुरुष के घराने का प्रधान उज्जीएल का पुत्र **एलीसापान** था (3:30); मरारी के कुलों के मूलपुरुष के घराने का प्रधान अबीहैल का पुत्र **सूरीएल** था (3:35)। यह भी बताया गया कि **लेवियों के प्रधानों का प्रधान हारून याजक का पुत्र एलीआज़ार हो, और जो लोग पवित्रस्थान की सौंपी हुई वस्तुओं की रक्षा करेंगे उन पर वही मुखिया ठहरे** (3:32)। ऐसा लगता है कि एलीआज़ार याजक सब लेवियों पर मुखिया था।

एक महीना और उससे ऊपर के पुरुषों की जनगणना के परिणाम निम्नलिखित रहे:

गेर्शोनवंशी	7,500
कहातवंशी	8,600
मरारीवंशी	6,200
कुल	22,300

यह योग आयत 39 के साथ मतभेद रखता है जहाँ पर कुल योग 22,000 है।[4] इस अन्तर का सबसे अच्छा विवरण यह अनुमान लगाते हुए दिया जा सकता है कि मूल इब्रानी पाठ्य के स्थानान्तरण के समय एक त्रुटि हुई जिसके कारण ऐसा देखने को मिलता है। रोनॉल्ड बी. एल्लन ने कुछ इस प्रकार विचार किया:

> अनेक विद्वान मानते हैं कि आयत 28 में दी गई संख्या में पाठ्य सम्बन्धी त्रुटि है और कहातिवंशियों की सही संख्या 8,300 है (जैसा LXX[5] में देखने को मिलता है)। इन अध्यायों में अन्य सब संख्याओं का कुल योग अनुकूल है इस कारण ऐसा अनुमान लगाना उचित है कि इस विषय में पाठ्य स्थानान्तरण में कुछ कमी रही है।[6]

अन्य विवरण यह है कि "22,000" को गोल संख्या के रूप यह विचार करते हुए प्रयोग में लिया गया जिससे 22,300 की निश्चित संख्या के निकट पहुँचा जा सके।[7]

याजक कहात के गोत्र का भाग थे। उनको दिए गए ठहराव और विशेष ज़िम्मेदारियों ने (जो निवासस्थान के अति पवित्रस्थान से जुड़ी हुई थीं) उन्हें लेवियों के कुलों में से अत्यन्त आदरणीय बना दिया।

लेवी और पहिलौठे पुरुष (3:40-51)

**40फिर यहोवा ने मूसा से कहा, "इस्राएलियों के जितने पहिलौठे पुरुषों की
आयु एक महीने की या उससे अधिक है, उन सभों को नाम ले लेकर गिन ले। 41और
मेरे लिये इस्राएलियों के सब पहिलौठों के बदले लेवियों को, और इस्राएलियों के
पशुओं के सब पहिलौठों के बदले लेवियों के पशुओं को ले; मैं यहोवा हूँ।" 42यहोवा
की इस आज्ञा के अनुसार मूसा ने इस्राएलियों के सब पहिलौठों को गिन लिया।
43और सब पहिलौठे पुरुष जिनकी आयु एक महीने की या उससे अधिक थी, उनके
नामों की गिनती बाईस हज़ार दो सौ तिहत्तर थी। 44तब यहोवा ने मूसा से कहा,
45"इस्राएलियों के सब पहिलौठों के बदले लेवियों को, और उनके पशुओं के बदले
लेवियों के पशुओं को ले; और लेवीय मेरे ही हों; मैं यहोवा हूँ। 46और इस्राएलियों
के पहिलौठों में से जो दो सौ तिहत्तर गिनती में लेवियों से अधिक हैं, उनके छुड़ाने
के लिये, 47पुरुष पीछे पाँच शेकेल ले; वे पवित्रस्थान के शेकेल के हिसाब से हों,
अर्थात् बीस गेरा का शेकेल हो। 48और जो रुपया उन अधिक पहिलौठों की छुड़ौती
का होगा उसे हारून और उसके पुत्रों को दे देना।" 49अत: जो इस्राएली पहिलौठे
लेवियों के द्वारा छुड़ाए हुओं से अधिक थे उनके हाथ से मूसा ने छुड़ौती का रुपया
लिया। 50और एक हज़ार तीन सौ पैंसठ शेकेल रुपया पवित्रस्थान के शेकेल के
हिसाब से वसूल हुआ। 51और यहोवा की आज्ञा के अनुसार मूसा ने छुड़ाए हुओं का
रुपया हारून और उसके पुत्रों को दे दिया।**

आयतें 40, 41. लेवियों की गिनती करने का कारण इस अध्याय के अन्तिम भाग में स्पष्ट हो जाता है। परमेश्वर ने आज्ञा दी थी कि एक गिनती की जाए और **उन सभों को नाम ले लेकर गिन ले**। इस गिनती में **इस्राएलियों के जितने पहिलौठे पुरुषों की आयु एक महीने की या उससे अधिक है** वे शामिल थे जिससे **सब पहलौठों** के स्थान में लेवी दिए जा सकें। साथ ही **इस्राएलियों के पशुओं के सब पहिलौठों के बदले लेवियों के पशुओं को** परमेश्वर के लिए समर्पित किया गया।

आयतें 42, 43. जब मूसा ने परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार किया तब उसने पाया कि **इस्राएलियों के सब पहिलौठों** की संख्या 22,273 थी। पहलौठे पुरुषों की संख्या ने यहाँ प्रश्न खड़े किए हैं। अगर वहाँ लगभग 6,00,000 पुरुष थे जो बीस वर्ष और उससे अधिक थे जो युद्ध में जाने के योग्य थे तो वहाँ एक महीना और उससे अधिक आयु के मात्र 22,273 पुरुष कैसे हो सकते हैं? इस समस्या का निवारण यह हो सकता है कि मिस्र से (एक वर्ष से कुछ और अधिक समय पूर्व) इस्राएलियों के निकलने के समय से आगे के समय में जन्म लेने वाले पहलौठे पुरुषों की गिनती की गई। सी. एफ़. कैल और एफ़. डलेच ने संकेत दिया कि पहलौठे दिए जाने का नियम उस समय आरम्भ हुआ जब इस्राएली मित्र छोड़ रहे थे (निर्गमन 13:1, 2) और पूर्वव्यापी नहीं रहा होगा। अगर यह सच है तो छुड़ौती की आवश्यकता से पहले जन्म लेने वाले पहलौठे पुरुषों की गिनती नहीं की गई होगी। इस कारण वे तर्क देते हैं कि ऐसा सम्भव है कि इस्राएली लोगों के मित्र छोड़ने के

समय से तरह महीने में जन्म लेने वाले पहलौठे पुरुष 22,273 रहे होंगे।[8]

आयतें 44-48. लेवियों की संख्या (22,000) पहलौठों की संख्या से कम थी इसलिए परमेश्वर ने **पहलौठों** में से **दो सौ तिहत्तर पहलौठों** की माँग रखी जो **गिनती में लेवियों से अधिक हैं**। उन दो सौ तिहत्तर पुरुषों को **पाँच शेकेल जो पवित्रस्थान के शेकेल के हिसाब से हों**, अर्थात् बीस गेरा का शेकेल हो उसके अनुसार भुगतान करने के द्वारा छुड़ाना आवश्यक था। (देखें लैव्य. 27:6)।

आयत 49. मूसा ने **यहोवा की आज्ञा के अनुसार किया** और जो इस्राएली पहिलौठे लेवियों के द्वारा छुड़ाए हुओं **से अधिक** थे उनके हाथ से **छुड़ौती का रुपया ले लिया**।

आयतें 50, 51. इस प्रकार कुल योग 1,365 शेकेल (5 x 273 = 1,365) हुआ और मूसा ने **छुड़ाए हुओं का रुपया हारून और उसके पुत्रों को दे दिया**। इस्राएली पहलौठे पुरुषों की ("प्रति व्यक्ति पाँच शेकेल") रुपये से इस प्रकार की छुड़ौती आगे की पीढ़ियों के लिए एक माँग बन गई (18:15, 16)।[9]

अनुप्रयोग

"सर्वोच्च के लिए कोई भी सेवकाई छोटी नहीं है"[10] (अध्याय 3)

प्राचीन इस्राएली पवित्रस्थान में लेवी वह कार्य करते थे जो छोटा लगता था: रख रखाव, सुरक्षा करना, समेटना और खींच कर ले जाना। फिर भी ये सारे कार्य आदरणीय थे और बहुत ही महत्वपूर्ण थे क्योंकि यह सब दिव्य राजा के लिए था। उसी प्रकार वर्तमान में परमेश्वर के काम के लिए छोटा और बहुत ही महत्वहीन लगने वाला कार्य महत्वपूर्ण है: कलीसिया के लिए सभा के स्थान की सफ़ाई करना, किसी संगति के अवसर के लिए भोजन तैयार करना, बीमारों से भेंट करना, किसी बच्चे को यीशु का गीत सिखाना या किसी पड़ोसी को उत्साहित करना। परमेश्वर के लिए किया गया कोई कार्य छोटा नहीं है।

समाप्ति नोट्स

[1]उत्पत्ति 2:4; 6:9; 10:1; 11:10, 27; 25:12, 19; 36:1, 9; 37:2; देखें 5:1; 10:32; 25:13. यही इब्रानी शब्द, *थोलेडोथ*, निर्गमन 6:16, 19 में पाया गया है। निर्गमन 6:16-25 में दी गई लेवी की पीढ़ी उसे भी शामिल करती है जो गिनती 3:2 में है। [2]मूसा और हारून की पीढ़ी का एक अधिक पूर्ण रेखाचित्र कॉय रॉपर, *निर्गमन*, ट्रूथ फॉर टूडे कमेंट्री (सीर्सी, आर्कांससः रेसॉर्स पब्लिकेशंस, 2008), 103 में दिया गया है। [3]उपरोक्त, 105-6. [4]3:43, 46 में हम देखते हैं कि एक महीना और उससे ऊपर के लेवी पुरुषों की संख्या 22,000 होनी चाहिए. आयत 43 कहती है कि बारह गोत्रों के पहलौठे पुरुषों का कुल योग 22,273 रहा और आयत 46 कहती है कि लेवियों के अतिरिक्त वहाँ पर 273 और अधिक पहलौठे पुत्र थे। [5]LXX सेप्टुआजिंट, इब्रानी बाइबल का यूनानी अनुवाद है जिसकी दिनांक मसीह से पहले की तीसरी शताब्दी के आसपास मानी गयी है। [6]रोनॉल्ड बी. एल्लन, "गिनती," *एक्सपोजीटर्स बाइबल कमेंट्री*, वॉल्यूम 2, *उत्पत्ति-गिनती*, संपादक फ्रैंक ई. गैबलीन (ग्रैंड रैपिड्स, मिशीगनः जॉडरवैन पब्लिशिंग हाऊस, 1990), 726. [7]जेम्स बर्टन कॉफमैन,

कमेंट्री आन लैव्यव्यवस्था एण्ड गिनती: द थर्ड एण्ड फोर्थ बुक्स आफ मोजेज (एबीलीन, टेक्ससः ए.सी.यू. प्रेस, 1987), 291. [8]सी. एफ़. कैल एन्ड एफ़. डलेच, *द पेन्टाटुक*, वोल. 3, ट्रांसलेटर जेम्स मार्टिन, बिब्लिकल कमेन्ट्री ओन द ओल्ड टेस्टामेन्ट (ग्रैंड रैपिड्स, मिशिगन: विलियम बी. एर्डमैंस पब्लिशिंग कम्पनी तिथि अज्ञात), 9-11. [9]रॉय गेन, *लैव्यव्यवस्था, गिनती*, द NIV एप्लिकेशन कमेन्ट्री (ग्रान्ड रेपिड्स, मिशिगन: जोनडर्वन, 2004), 513. [10]जेन से लिया गया, 516.